सरस आजीविका मेला 2024

चर्चा में क्यों?

हाल ही में गुरुग्राम में **सरस आजीविका मेला 2024** शुरू हुआ, जिसमें ग्रामीण उत्पादों का प्रदर्शन किया गया और संपूर्ण भारत के **स्वयं सहायता समूहों (Self-Help Groups- SHG)** के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया गया।

प्रमुख बिंदु

- **सरस आजीविका मेला:**
  - **इसका उद्देश्य ग्रामीण कारीगरों और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को हस्तशिल्प, हथकरघा, जैविक उत्पादों और पारंपरिक खाद्य पदार्थों सहित अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने एवं विक्रय के लिये एक मंच प्रदान करना है**
  - **इस मेले का आयोजन राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान द्वारा किया जाता है।**
  - **यह मेला एक विपणन चैनल के रूप में कार्य करता है, जहाँ ग्रामीण उत्पादक प्रत्यक्षतः शहरी उपभोक्ताओं से जुड़ सकते हैं, जिससे उनकी आय बढ़ाने और बाज़ार पहुँच का विस्तार करने में मदद मिलती है।**
  - **यह आयोजन ग्रामीण महिला उद्यमियों को व्यापक स्तर पर अपनी शिल्पकला प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करके महिला सशक्तिकरण में महत्त्वपूर्ण योगदान देता है।**
  - **सरस मेला जैसी पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के तहत वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने के सरकार के व्यापक उद्देश्यों के अनुरूप है।**
  - **यह पहल दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (Deendayal Antyodaya Yojana-National Rural Livelihood Mission- DAY-NRLM) का हिस्सा है।**

दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM)

- **परिचय:**
- यह एक **केंद्र प्रायोजित कार्यक्रम** है, जिसे वर्ष 2011 में ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था।
- इसका उद्देश्य देश भर में ग्रामीण गरीब परिवारों के लिये विविध आजीविका को बढ़ावा देने और वित्तीय सेवाओं तक बेहतर पहुँच के माध्यम से ग्रामीण गरीबी को समाप्त करना है।
- **कार्य:**
  - इसमें सामुदायिक पेशेवरों के माध्यम से सामुदायिक संस्थाओं के साथ स्व-सहायता की भावना से काम करना शामिल है, जो दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) का एक अनूठा प्रस्ताव है।
  - इससे आजीविका पर प्रभाव पड़ता है
    - ग्रामीण परिवारों को स्वयं सहायता समूहों में संगठित करना।
    - प्रत्येक ग्रामीण गरीब परिवार से एक महिला सदस्य को स्वयं सहायता समूह में संगठित करना।
    - स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण प्रदान करना।
    - अपने स्वयं के संस्थानों और बैंकों से वित्तीय संसाधनों तक पहुँच प्रदान करना।
- **उप कार्यक्रम:**
  - **महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना (Mahila Kisan Shashaktikaran Pariyojana- MKSP):** इसका उद्देश्य कृषि-पारिस्थितिकी प्रथाओं को बढ़ावा देना है जिससे महिला किसानों की आय में वृद्धि हो और उनकी इनपुट लागत और ज़ोखिम कम हो।
  - **स्टार्ट-अप ग्राम उद्यमिता कार्यक्रम (Start-Up Village Entrepreneurship Programme- SVEP):** इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमियों को स्थानीय उद्यम स्थापित करने में सहायता प्रदान करना है।
  - **आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना (Aajeevika Grameen Express Yojana- AGEY):** इसे अगस्त 2017 में दूरदराज के

ग्रामीण गाँवों को जोड़ने के लिये सुरक्षित, किफायती और सामुदायिक निगरानी वाली ग्रामीण परिवहन सेवाएँ प्रदान करने के लिये शुरू किया गया था।

- **दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (Deendayal Upadhyaya Grameen Kaushalya Yojana- DDUGKY) :** इसका उद्देश्य ग्रामीण युवाओं में प्लेसमेंट से जुड़े कौशल का निर्माण करना और उन्हें अर्थव्यवस्था के अपेक्षाकृत उच्च वेतन वाले रोज़गार क्षेत्रों में रखना है।
- **ग्रामीण स्वरोज़गार संस्थान (Rural Self Employment Institutes- RSETI):** दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM), 31 बैंकों और राज्य सरकारों के साथ साझेदारी में, ग्रामीण युवाओं को लाभकारी स्वरोज़गार अपनाने के लिये कौशल प्रदान करने हेतु ग्रामीण स्वरोज़गार संस्थानों (RSETI) को समर्थन दे रहा है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/saras-aajeevika-mela-2024